भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4323 का उत्तर

कोसी-सीमांचल क्षेत्र में रेलवे अवसंरचना विकास

4323. श्री राजेश रंजन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने कोसी-सीमांचल क्षेत्र में रेल संपर्क बढ़ाने और क्षेत्रीय विकास के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अंतर्गत किशनगंज से जलालगढ़, गंगा नदी-साहेबगंज के रास्ते तेजनारायणपुर और पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत कुरसेला-बिहारीगंज और बिहारीगंज-मुरलीगंज-खुर्दा-वीरपुर तक नई रेल लाइनों के निर्माण के लिए वित्त वर्ष 2025-26 में वित्तीय प्रावधान किया है;
(ख) यदि हां, तो उक्त रेल मार्गों के लिए कितनी-कितनी धनराशि का प्रावधान किया गया है; और
(ग) यदि नहीं, तो आज की तिथि के अनुसार उक्त रेल लाइनों के निर्माण की स्थिति क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): प्रादेशिक संपर्कता को बेहतर बनाने के लिए, अगस्त, 2024 में ₹2549.17 करोड़ की लागत से गंगा नदी पर एक पुल सहित बिक्रमशिला-कटरिया नई लाइन परियोजना (26.23 किलोमीटर) को मंजूरी दी गई है। यह परियोजना तेजनारायणपुर-साहिबगंज (लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर) के निकट है, जिसे कम यातायात अनुमानों के कारण आगे नहीं

बढ़ाया जा सका। इस परियोजना के लिए वित्त वर्ष 2025-26 में ₹64.05 करोड़ का परिव्यय रखा गया है।

किशनगंज-जलालगढ़ (50.87 किलोमीटर) और कुरसेला-बिहारीगंज (58 किलोमीटर) नई लाइन परियोजनाओं को विगत में आगे नहीं बढ़ाया गया था। बहरहाल, जनता की लगातार मांग पर, इन परियोजनाओं को शुरु करने का निर्णय लिया गया है। इन परियोजनाओं के लिए वित्त वर्ष 2025-26 में ₹170.8 करोड़ का आवंटन प्रदान किया गया है।

इसके अलावा, मुरलीगंज, त्रिवेणीगंज, खोरधा, जदिया, भीमनगर (92 किलोमीटर) के रास्ते बिहारीगंज से बीरपुर नई लाइन के निर्माण के लिए सर्वेक्षण को मंजूरी प्रदान की गई है।

इसके अलावा, कोसी-सीमांचल क्षेत्र में सम्पर्कता में सुधार लाने के लिए निम्नलिखित परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं/प्रगति पर हैं:-

- पूरी हो चुकी परियोजनाएं:-
    1. सकरी-निर्मली और सहरसा-फारबिसगंज आमान परिवर्तन परियोजना।
    2. कोसी ब्रिज नई लाइन परियोजना।
    3. कटरिया-कुरसेला दोहरीकरण परियोजना।
- चल रही परियोजनाएं:-
    1. सुपौल-अररिया नई लाइन परियोजना।
    2. अररिया गलगलिया नई लाइन परियोजना।
    3. जोगबनी बिराटनगर नई लाइन परियोजना।
    4. कटिहार-मुकुरिया एवं कटिहार-कुमेदपुर दोहरीकरण परियोजना।

बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे जोनों के अन्तर्गत आती हैं। रेल

परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित जोन-वार ब्यौरा पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

पिछले 3 वर्षों (2021-22, 2022-23, 2023-24 और वर्तमान वित्त वर्ष अर्थात् 2024-25) में, बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली 3,889 किलोमीटर कुल लंबाई के 72 अदद सर्वेक्षण (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग) को स्वीकृत किया गया है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली 79,356 करोड़ रुपए की लागत की 5,064 किलोमीटर कुल लंबाई वाली 55 रेल परियोजनाएं (31 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 22 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से मार्च, 2024 तक 1,194 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और 26,983 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2024 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइनें	31	2,712	464	13,629
आमान परिवर्तन	2	348	288	1,520
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	22	2,005	442	11,834
कुल	55	5,064	1,194	26,983

2014 से, बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और परियोजनाओं की तदनुरूप कमीशनिंग हुई है। बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और अन्य निर्माण कार्यों हेतु वार्षिक बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,132 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	10,066 करोड़ रु. (लगभग 9 गुना)

2009-14 और 2014-2024 के दौरान बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले खंडों की कमीशनिंग (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	318 किलोमीटर	63.6 किलोमीटर प्रति वर्ष
2014-24	1,669 किलोमीटर	166.9 किलोमीटर प्रति वर्ष (लगभग 3 गुना)

*****